DrGenius
Academy

DrGenius Academy Welcomes You

Let’s Begin Journey Together
And Achive Dream
Together

Dr Surendra Dhiwa

Educator

(Law | Public administration and management)

(Polity and IR | Audit and Accounting)

धारा 28 निर्वाचन अपराध →

① लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 → [धारा 125, 126, 127, 127 क, 128, 129, 130, 131, 132, 132 क, 133, 134, 134 क, ख, 135, 135 क, ख, ग, 136]

② 13/3/2020

→ नाम निर्देशन पत्र (Nomination paper) में → मिथ्या घोषणा / शपथ पत्र / कथन आदि (रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष)

जुर्माना / कारावास → 6 माह तक

धारा 29 → भ्रष्ट आचरण (Corrupt practices) →

(i) रिश्वत → दान (gift), प्रस्थापना (offer), वचन (promise), ईनाम (reward)

↳ प्रयोजन → चुनाव में उम्मीदवार को खड़े होने या न होने या
अपनी उम्मीदवारी वापस लेने के लिए
↳ किसी को मत देने या मत देने से विरत करने के लिए

(ii) असम्यक असर डालना (undue influence) —

↳ निर्वाचन के अधिकार के स्वतंत्र प्रयोग में उम्मीदवार या
उसके अभिकर्ता द्वारा प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष हस्तक्षेप →

- जाति/समुदाय/समाज से बहिष्कृत करने की धमकी
- दैवी प्रसाद/आध्यात्मिक परिनिन्दा का भाजन बनाने का प्रयास

<u>अपवाद</u> → लोकनीति की घोषणा, लोक कार्यवाही का वचन।

(iii) धर्म, मूलवंश, जाति, समुदाय, भाषा के आधार पर किसी को मत देने या मत से विरत रहने की अपील,

धार्मिक प्रतीकों का उपयोग या उनकी दुहाई

राष्ट्रीय प्रतीक (राष्ट्रीय ध्वज आदि) का उपयोग/दुहाई

अपवाद → उम्मीदवार को आवंटित प्रतीक

(iv) → भारत के नागरिकों के विभिन्न वर्गों में धर्म, मूलवंश, जाति, समुदाय, भाषा के आधार पर शत्रुता या घृणा की भावना संप्रवर्तन (Promote करना)

(v) सती प्रथा का गौरवान्वयन (महिमामंडन)

(vi) किसी उम्मीदवार की उम्मीदवारी या निर्वाचन से नाम वापस लेने या निर्वाचन लड़ने से हटने के संबंध में मिथ्या बात का प्रकाशन

DrGenius Academy

DrGenius Academy

(vii) यात्रा जलयान सुविधा देना

(viii) निर्वाचन से संबंधित किसी भी नियम/आदेश के उल्लंघन में व्यय करना।

(ix) → निम्न सरकारी व्यक्तियों से सहायता लेना →

- ✓ राजपत्रित अधिकारी
- ✓ संघ के सशस्त्र बलों के सदस्य
- ✓ पुलिस बल के सदस्य
- ✓ राजस्व अधिकारी (पटवारी समेत)
- ✓ आबकारी अधिकारी
- सरकारी सेवा के अन्य व्यक्ति जो विहित किए जाएं।

DrGenius Academy

धारा 30 → निर्वाचन संबंधी मामलों में सिविल न्यायालयों की अधिकारिता →

(i) परिसीमन, वार्डों में स्थानों का आवंटन, निर्वाचक नामावलियों की तैयारी तथा निर्वाचन के संचालन आदि पर अधिकारिता नहीं होगी।

(ii) निर्वाचक याचिका के आधार पर ही किसी निर्वाचन को प्रश्नगत किया जा सकता है।

~~धारा~~

धारा 31

निर्वाचन याचिका →

↓

कौन - उम्मीदवार, निर्वाचक (मतदाता)

कब तक - 1 माह के भीतर - 2

कहाँ → जिला न्यायाधीश (District Judge)

(उस नगर पालिका क्षेत्र पर अधिकारिता रखने वाले न्यायालय)

THANK YOU

For Join Our Session

+91-9636280355

www.drgenius.academy.com